अक्टूबर, 2016 - तेल ताड़ खेती के प्रबंधन के लिए सुझाव

- अन्तः सस्थ्यन के दौरान तेल ता पौधों के आस पास जुताई नहीं करना चाहिए । हरी पत्तियाँ को मत कांटना है। अन्त सस्थ्यन के दौरान तेल ताड पत्तियाँ को बांदना नही चाहिए। जिससे उपज कम हो सकता है।

- अन्तः सस्थ्यन के दौरान तेल ताड पौधों के आस पास जुताई नहीं करना चाहिए। अन्तः सस्थ्यन में थालों से दो या तीन मीटर थ्रेअज्या में ही करना चाहिए।

- नई रोपी गयी तेल ताड़ फसल में रोपाई के तीन महीने बाद उर्वरकों कि पहली सुराक देनी चाहिए। उर्वरक की दूसरी खुराक के साथ 50-100 किलोग्राम गोबर की खाद था 100 किलोग्राम हरी खाद प्रति वृक्ष को देनी चाहिए ! प्रति वृक्ष को पंच किलोग्राम नीम कि खली भी दे सकते है।

- तेल ताड़ पौधे के आस पास जुताई ना करे, क्योंकि इस से अवशोषान जड़े कट जाती है, परिणामस्वरूप पानी और पोषक तत्वों का अवशोषण प्रभावित होता है ।